Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 22-02-2006

Participants : Mohale Shri Punnulal

an>

Title : Need to sanction laying of Bilaspur-Mandla rail line in Chhattisgarh.

श्री पुन्नू लाल मोहले (बिलासपुर) : माननीय सभापति महोदय, मैं छत्तीसगढ़ राज्य की रेल समस्या की ओर सरकार का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं। छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर है। रायपुर और जबलपुर मार्ग को जोड़ने के लिए बिलासपुर से मंडला में रेलवे लाइन के सर्वे को 20 वर्ा हो चुके हैं। इसका दोबारा भी सर्वे हो चुका है। एक-दो करोड़ रुपए इस सर्वे में खर्च हो चुके हैं। प्लानिंग कमीशन को रिपोर्ट भेजनी है। बिलासपुर से जबलपुर रेलवे लाइन जुड़ने से बिलासपुर, मंडला, दिल्ली, कोलकाता, मुम्बई, हावड़ा तथा बिलासपुर से दुर्ग और दुर्ग से होते हुए मुम्बई से लेकर सभी तरफ की रेलवे लाइन जुड़ जाएगीं। इससे लोगों को सुविधा प्राप्त होगी। यह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्र है। पिछड़े वर्ग के विकास के लिए छत्तीसगढ़ राज्य बनाया गया था और राज्य बनाए जाने के बाद इस राज्य की उपेक्षा करना न्यायसंगत नहीं है। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि बिलासपुर के आस-पास के क्षेत्र में बाक्साइट, डोनामाइट और मंडला क्षेत्र में तथा बिलासपुर के पुरेरिया में कोयले की खदान भी है। यहां खनिज सम्पदा भरपूर मात्रा में है। यहां वन क्षेत्र भी बहुत अधिक है। इनसे रेलवे को अधिक आमदनी होगी। ऐसी स्थिति में रेल विभाग के द्वारा सर्वे के बाद भी बिलासपुर मंडला रेलवे लाइन को स्वीकृति नहीं देना अनुचित है, न्यायसंगत नहीं है। उस क्षेत्र के प्रति सरकार उदासीनता बरत रही है। मैं केंद्र सरकार से मांग करूंगा कि उक्त परिस्थितियों को देखते हुए बिलासपुर-मंडला रेलवे लाइन को अविलम्ब स्वीकृति प्रदान करे।